दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 ‖ Postal Registration No-055/Raigarh DN CG ‖ रायगढ़, रविवार 08 सितम्बर 2019 ‖ पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए ‖ वर्ष-01, अंक- 339

चन्द्रयान-2

कांग्रेस ने चंद्र मिशन पर की इसरो की प्रशंसा

नईदिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस पार्टी ने शनिवार को इसरो के चंद्र मिशन चंद्रयान-2 की प्रशंसा की और कहा कि देश इसरो के वैज्ञानिकों के साथ खड़ा है। कांग्रेस पार्टी ने कहा, तनाव की इस घड़ी में इसरो की पूरी टीम के साथ देश के लोग खड़े हैं। आपके कठिन परिश्रम और प्रतिबद्धता ने देश को गौरवान्वित किया है। भारत के मून लैंडर विक्रम से उस समय संपर्क टूट गया, जब वह शनिवार तड़के चंद्रमा की सतह की ओर बढ़ रहा था। इसरो के अध्यक्ष के. सिवन ने कहा कि संपर्क उस समय टूटा, जब विक्रम चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाले स्थान से 2.1 किलोमीटर दूर रह गया था।

आपका काम व्यर्थ नहीं हुआ हैः राहुल

नईदिल्ली (आरएनएस)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को चंद्रयान-2 मिशन पर असाधारण काम के लिए इसरो की सराहना की। उन्होंने कहा उनका जुनून और समर्पण हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा है और उनका काम व्यर्थ नहीं हुआ है, बल्कि इसने कई पथ-प्रदर्शक भारतीय अंतरिक्ष मिशनों की नींव रखी है। बहुप्रतीक्षित लैंडर विक्रम के चंद्रमा से उतरने से पहले संपर्क खो देने के कुछ घंटों बाद राहुल गांधी ने यह कहा। राहुल ने ट्वीट किया, इसरो टीम को चंद्रयान 2 मिशन पर उनके असाधारण काम के लिए बधाई। आपका जुनून और समर्पण हर भारतीय के लिए एक प्रेरणा है। आपका काम व्यर्थ नहीं हुआ है। इसने कई पथ-प्रदर्शक और महत्वाकांक्षी भारतीय अंतरिक्ष मिशनों की नींव रखी है। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अंतरिक्ष की नई सीमाओं को पार कर लिया है और देश के सभी नागरिकों को गौरवान्वित किया है। उन्होंने ट्वीट किया, चंद्रयान-2 मिशन इस बात का प्रमाण है कि इसरो के वैज्ञानिकों ने अंतरिक्ष की नई सीमाओं को पार कर लिया है और हर भारतीय को गौरवान्वित किया है। सुरजेवाला ने आगे ट्वीट किया, हम इसे नई ऊंचाईयों तक पहुंचने के मौके के रूप में देख रहे हैं। नए मुकामों और ऊंचाईयों को पाने के लिए भविष्य काफी उज्जवल है।

हमारे वैज्ञानिकों ने इतिहास रचा: केजरीवाल

नईदिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को चन्द्रयान-2 मिशन के अंतिम क्षणों में विक्रम लैंडर से संपर्क टूट जाने के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों के मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि वैज्ञानिकों ने एक बेहतरीन कार्य किया है। श्री केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है। उन्होंने इतिहास रचा है। निराश होने की आवश्कता नहीं है। हमारे वैज्ञानिकों ने बेहतरीन कार्य किया है। जय हिंद। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा, इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई। आज आपने चांद में दस्तक दी है और कल आप इसे जमीन पर उतारेंगे। गौरतलब है कि चांद की सतह से 2.1 किलोमीटर की दूरी पहले तक मिशन सामान्य था। लेकिन इसके बाद अंतिम क्षणों में धरती पर स्थित केन्द्र से लैंडर का अचानक से संपर्क टूट गया।

वैज्ञानिकों पर गर्व है : हर्षवर्धन

नईदिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने शनिवार को कहा कि चंद्रयान-2 पर इसरो का प्रयास पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण क्षण था। हर्षवर्धन ने ट्वीट किया, प्रिय इसरो के वैज्ञानिक भारत को आप पर गर्व है। चंद्रयान-2 के लिए आपने अपना सर्वोत्तम दिया। उन्होंने कहा कि आपके साहस की कोई तुलना नहीं है। मुझे अटल जी की कविता याद आ रही है- हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा। उन्होंने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि भविष्य में हमारे वैज्ञानिक इस मिशन को पूरा करेंगे।

चंद्रमा पर उतरने से ठीक पहले लैंडर विक्रम से संपर्क टूटा

बेंगलुरू (आरएनएस)। चंद्रयान-2 की मदद से शनिवार को तड़के अंतरिक्ष में इतिहास की नयी गाथा लिखने से ठीक पहले देश को उस समय धक्का लगा जब चंद्रमा की सतह से महज 2.1 किलोमीटर पहले विक्रम लैंडर का संपर्क टूट गया।

चंद्रमा की सतह पर उतरने से महज 2.1 किलोमीटर पहले चंद्रयान-2 अभियान योजनाबद्ध कार्यक्रम के मुताबिक आगे बढ़ रहा था लेकिन अंतिम सफलता हासिल करने से ठीक पहले विक्रम लैंडर का संपर्क टूट गया और केंद्र में मौजूद इसरो अध्यक्ष डॉ के सिवन समेत सभी वैज्ञानिकों के चेहरे पर मायूसी छा गई और वहां सन्नाटा पसर गया।

» 16वीं बाधा पार नहीं कर पाया चंद्रयान-2

चंद्रयान-2 के लैंडर विक्रम के चंद्रमा की सतह पर उतरने के जीवंत अवलोकन करने के लिए इसरो के बेंगलुरु स्थित टेलीमेंट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी) केन्द्र में मौजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसरो अध्यक्ष के सिवन ने जब विक्रम लैंडर का संपर्क टूट जाने की जानकारी दी तो मोदी ने उनकी पीठ थपथपाते हुए सभी वैज्ञानिकों की हौसला अफजाई की।

डॉ सिवन ने कहा, विक्रम लैंडर निर्धारित समय एवं योजना के अनुरुप चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए बढ़ रहा था और सतह से 2.1 किलोमीटर दूर तक सब कुछ सामान्य था, लेकिन इसके बाद उससे संपर्क टूट गया। प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया जा रहा है।

मोदी ने बाद में ट्वीट किया, भारत को अपने वैज्ञानिकों पर गर्व है। उन्होंने अपना बेहतर दिया है और भारत को हमेशा गौरवान्वित महसूस कराया है। यह साहसी बनने के क्षण हैं और हम साहसी बने रहेंगे। इसरो के चेयरमैन ने चंद्रयान-2 के बारे में जानकारी दी। हमें पूरी उम्मीद है और हम अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम पर लगातार पूरी लगन के साथ मेहनत करते रहेंगे। चंद्रयान-2 के दौरान कुल 16 बड़ी बाधायें सामने आयीं जिसमें आखिरी क्षणों के 'सबसे भयावह' 15 मिनट भी शामिल थे। इसके साथ ही चांद पर पहुंचने के लिए शुरू किया गया भारत का 48 दिवसीय मिशन पूरा हो गया लेकिन इसके जरिये कोई नया इतिहास नहीं रचा जा सका।

चंद्रयान-2 के तीन हिस्से थे, ऑर्बिटर, लैंडर और रोवर। भारत में अंतरिक्ष विज्ञान के जनक कहे जाने वाले विक्रम साराभाई के नाम पर इसके लैंडर का नाम विक्रम रखा गया है। वहीं रोवर का नाम प्रज्ञान है, जो संस्कृत का शब्द है। इसका अर्थ होता है ज्ञान। चंद्रयान-2 का ऑर्बिटर, सालभर चांद का चक्कर लगाते हुए प्रयोगों को अंजाम देगा। लैंडर और रोवर चांद की सतह पर कुल 14 दिन तक प्रयोग करना था।

चंद्रयान-2 ने अपने 48 दिन के सफर के दौरान मिशन की अबतक 15 बड़ी बाधाओं को सफलतापूर्व पार कर लिया था। चांद पर सफल लैडिंग इसकी अंतिम और निर्णायक बाधा माना जा रहा था जिसे आखिरी चरण में पूरा नहीं किया जा सका।

ठीक ग्यारह साल पहले चंद्रयान-1 के रूप में भारत ने चांद की ओर पहला मिशन भेजा था। यह एक ऑर्बिटर मिशन था, जिसने 10 महीने चांद का चक्कर लगाया था। चांद पर पानी की खोज का श्रेय भारत के इसी अभियान को जाता है। चंद्रयान-2 इसी उपलब्धि की आगे की कड़ियां जोड़ने और चांद के पानी एवं विभिन्न खनिजों की उपस्थिति के प्रमाण जुटाने वाला था।

चंद्रयान-2 को 15 जुलाई की सुबह 2:51 बजे लांच करने की तैयारी थी। हालांकि उस दिन लांचिंग से 56 मिनट पहले रॉकेट में कुछ गड़बड़ी दिखने के कारण अभियान को टाल दिया गया था।

शेष पेज-2 पर..

सोपोर में आतंकियों की फायरिंग, एक बच्ची सहित 4 लोग घायल

श्रीनगर (आरएनएस)। उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले में शनिवार को आतंकवादियों ने एक मकान पर हमला कर दिया, जिसमें एक बच्ची सहित परिवार के चार सदस्य घायल हो गए। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, आतंकवाद के इस बेरहम कृत्य में, आतंकवादियों ने सोपोर के डांगेरपोरा गांव में गोलीबारी की और बच्ची उस्मा जान सहित चार लोगों को घायल कर दिया।

सभी घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। उनकी हालत अब स्थिर बताई जा रही है। सोपोर के डांगेरपोरा में मौके पर पुलिस ने पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पुंछ जिले के कृष्णा घाटी सेक्टर में पाकिस्तान ने युद्धविराम का उल्लंघन किया। भारतीय सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि अज्ञात बंदूकधारियों ने डांगरपोरा में एक आवासीय घर में घुसकर गोलीबारी की। इस दौरान चार लोग जख्मी हो गए।

सेना के एक प्रवक्ता ने बताया कि सुबह 7.45 बजे पाकिस्तान सेना ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में छोटे हथियार और मोर्टार दागे। पाक सेना ने पुंछ जिले के कृष्णा घाटी में कई चौकियों और गांवों को निशाना बनाया। भारतीय सेना जवाबी कार्रवाई कर रही है। दोनों तरफ से गोलाबारी हुई। अभी तक भारतीय खेमे से किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

भारत को अपने वैज्ञानिकों पर गर्व हैं:मोदी

» पीएम ने वैज्ञानिकों के प्रयासों की सराहना की

बेंगलुरु (आरएनएस)। यद्यपि चन्द्रयान-2 मिशन का संपर्क इसरो मुख्यालय के नियंत्रण केंद्र से टूट गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेंगलूरू में इसरो वैज्ञानिकों के साथ चन्द्रयान-2 के चांद पर उतरने के कार्यक्रम को देखते हुए कहा भारत को अपने वैज्ञानिकों पर गर्व हैं। इन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दिया हैं और भारत को हमेशा गौरव प्रदान किया है। ये साहस के क्षण है और हम लोग साहसी बनेंगे!

वैज्ञानिकों के हौसलों को बढ़ाने के लिये प्रधानमंत्री ने कहा,

देश आप के साथ है, मैं आप के साथ हूं। प्रयास और यात्रा दोनों ही महत्वपूर्ण हैं।

आप भारत मां की विजय के लिये कार्य करते हैं और आप इसके लिये संघर्ष करते है। भारत मां को गौरव प्रदान करने के लिये आपके पास संकल्प और दृढ़ इच्छाशक्ति है।

पिछली रात मैंने आपकी निराशा और आपकी भावनाओं का अनुभव किया। मैं आपके बीच था, जब व्हीकल का संपर्क टूट गया। कई अनुत्तरित प्रश्न है परंतु मुझे विश्वास है कि आप इनका जवाब ढूंढ लेंगे। मैं जानता हूं कि इसके पीछे कड़ी मेहनत की गई है। हमें अपनी यात्रा में एक झटका लगा है, परंतु इससे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये हमारे उत्साह और जोश में कोई कमी नहीं आयेगी। हमारी इच्छाशक्ति और मजबूत हुई है।

हमारे वैज्ञानिक बहनों एवं भाइयों के साथ एक जुटता दिखाने के लिये पिछली रात पूरा राष्ट्र जगा हुआ था। हम चांद की सतह के बहुत करीब पहुंचे और यह प्रयास अत्यन्त सराहनीय है।

हमें अपने वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष कार्यक्रम पर गर्व है, उनकी कठिन मेहनत और संकल्प ने न सिर्फ हमारे देश के नागरिकों बल्कि दूसरे राष्ट्रों को भी एक बेहतर जीवन सुनिश्चित किया है। यह उनके नवोन्वेषी उत्साह का परिणाम है कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा समेत बेहतर जीवन स्तर प्राप्त हुआ है। भारत जानता है कि खुशी मनाने के अनेक अवसर आयेंगे। जब अंतरिक्ष कार्यक्रम की बात आती है तो इसका सर्वोत्कृष्ट आना शेष है। हमें नए क्षेत्रों की खोज करनी है और नये स्थानों पर जाना है।

अलका लांबा ने छोड़ा आप का दामन, कांग्रेस में हुई घर वापसी

नई दिल्ली। चांदनी चौक से विधायक अलका लांबा ने सोनिया गांधी की मौजूदगी में शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी जॉइन कर ली। उन्होंने आज ही ट्विटर पर आम आदमी पार्टी (आप) से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया से मुलाकात के बाद आप छोड़ने का फैसला किया था।

उधर, ट्विटर पर इस्तीफा देते हुए अलका ने केजरीवाल पर अपनी जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा, केजरीवाल जी, आपके प्रवक्ता ने आपकी इच्छा से कहा था कि मेरा इस्तीफा ट्विटर पर भी स्वीकार कर लिया

जाएगा। तो लीजिए मैं आम आदमी पार्टी से जो कि अब खास आदमी पार्टी बन चुकी है, उससे इस्तीफा देती हूं। इससे पहले अकला ने लिखा, आप को अलविदा कहने और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देने का समय आ गया है। मेरे लिए पिछले छह साल का सफर बड़े सबक सिखाने वाला रहा। सभी का शुक्रिया।

लांबा पिछले कुछ समय से आप नेतृत्व खासकर पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कार्यशैली से नाराज चल रही थीं। केजरीवाल पर पार्टी में मनमानी करने का आरोप लगते हुए वह इसका सार्वजनिक तौर पर कई बार मुखर विरोध कर चुकी है। लांबा और आम आदमी पार्टी के बीच पिछले कुछ समय से टकराव की स्थिति जो शुरू हुई, वह किसी न किसी रूप में चलती रही है।

कांग्रेस से रहा है पुराना नाता

2014 में आप जॉइन करने से पहले वह कई सालों तक कांग्रेस की सदस्य रही हैं। वह कांग्रेस की स्टूडेंट विंग एनएसयूआई की राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुकी हैं और इसके टिकट पर डूसू के प्रेजिडट का चुनाव भी जीता था। वह दिल्ली कांग्रेस कमिटी की जनरल सेक्रटरी और ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी सचिव रह चुकी हैं।

अफगानिस्तानी महिलाएं राष्ट्रपति चुनाव में मतदान के लिए प्रतिबद्ध

काबुल। इस डर से कि कहीं देश में तालिबान जैसी कट्टरपंथी सरकार न लौट आए, अफगानिस्तान की कई महिलाएं 2001 में इस्लामी शासन के ध्वस्त होने के बाद उन्हें काफी मेहनत से हासिल हुए अधिकारों की रक्षा के लिए वे आगामी राष्ट्रपति चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एफे न्यूज के शनिवार की रिपोर्ट के मुताबिक, कार्यकर्ता मुकादसा अहमदजई (25), उस समय एक बच्ची थीं, जब 1996 से लेकर पांच सालों तक तालिबान ने देश पर शासन किया था। वह नागरहार में महिलाओं के लिए काम करती हैं, जो कि उन सबसे खतरनाक प्रांतों में से एक है जहां तालिबान और इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूहों का काफी बड़े इलाकों पर कब्जा है।

अहमदजई ने पिछले 18 सालों में हुई विकास के बारे में बात करते हुए एफे से कहा, आज महिलाएं शिक्षिका, डॉक्टर, पायलट हैं, उन्हें ड्राइविंग, चुनाव में हिस्सा लेने, और अपने नागरिक और बुनियादी अधिकारों के लिए आवाज उठाने का अधिकार है। उन्होंने कहा, कि इसके विपरीत तालिबान शासन में च्महिलाओं को मार डाला जाता था, बुर्का न पहनने के लिए सार्वजनिक रूप से कोड़े मारे जाते थे, स्कूलों को खाली करा दिया जाता था और अस्पताल तबाह कर दिए जाते थे।

उन्होंने कहा, हालांकि, महिलाओं के सामने अभी भी चुनौतियां हैं, लेकिन हमने जो प्रगति की है वह उल्लेखनीय है।

ट्रांसफर से नाराज मद्रास हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस ताहिलरमानी ने दिया इस्तीफा

नईदिल्ली (आरएनएस)। मद्रास हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश विजया के. ताहिलरमानी ने इस्तीफा दे दिया है. ताहिलरमानी ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के उस फैसले पर नाराजगी जताई, जिसमें उनका मद्रास हाईकोर्ट से मेघालय हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया गया. इस फैसले के विरोध में मुख्य न्यायाधीश ताहिलरमानी ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को भेज दिया है.

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि ताहिलरमानी ने शुक्रवार रात राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को अपना इस्तीफा दिया और भारत के मुख्य न्यायधीश रंजन गोगोई को भी इसकी एक प्रति भेजी है.

न्यायमूर्ति रंजन गोगोई के नेतृत्व वाले कॉलेजियम ने ताहिलरमानी को मेघालय हाईकोर्ट में स्थानांतरित किए जाने की

सिफारिश की थी. उन्हें पिछले साल 8 अगस्त को ही मद्रास उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाया गया था.

कॉलेजियम ने 28 अगस्त को उन्हें स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी, जिस पर उन्होंने पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था. उन्होंने कॉलेजियम के फैसले का विरोध भी किया था. न्यायमूर्ति रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली कॉलेजियम, जिसमें जस्टिस एसए बोबड़े, एनवी रमना, अरुण मिश्रा और आरएफ नरीमन भी शामिल थे.

मेघायलय हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ऐके मित्तल का मद्रास हाईकोर्ट ट्रांसफर किया गया था. इसके साथ ही जस्टिस विजया के. ताहिलरमानी का तबादला मेघायलय हाईकोर्ट कर दिया गया था.

पाकिस्तान ने कहा, भारतीय राष्ट्रपति के प्लेन के लिए नहीं खोलेंगे अपना एयरस्पेस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान एक तरफ तो जीवनरक्षक दवाओं के लिए भारत से गिड़गिड़ा रहा है, लेकिन दूसरी तरफ राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को आइसलैंड जाने के लिए अपने एयरस्पेस के इस्तेमाल की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शनिवार को बताया कि भारत ने राष्ट्रपति कोविंद की आइसलैंड की फ्लाइट के लिए अनुमति मांगी थी, जिसे पाकिस्तान ने नामंजूर कर दिया। बता दें कि राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार से 17 सितंबर तक के लिए आइसलैंड, स्विट्जरलैंड और स्लोवेनिया की यात्रा पर जाने वाले हैं।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद इमरान खान सरकार पर वहां के

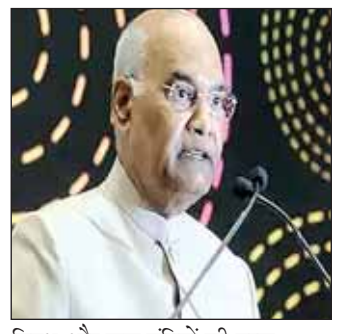

विपक्ष और कुछ मंत्रियों की तरफ से इस बात का काफी दबाव है कि पाकिस्तान भारत के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दे। हालांकि, पाकिस्तान ने भारत के लिए अपने एयरस्पेस को पूरी तरह बंद करने को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है, लेकिन राष्ट्रपति कोविंद के प्लेन को इजाजत न देकर उसने अपने मंसूबे जता दिए हैं। कुरैशी ने पीटीवी से कहा कि नई दिल्ली का कश्मीर पर सख्त रुख एक गंभीर मुद्दा है और वह इसे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में उठाएंगे।

दरअसल पुलवामा आतंकी हमले के बाद 26 फरवरी को पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के सबसे बड़े आतंकी कैंप पर इंडियन एयरफोर्स की कार्रवाई के बाद से पाकिस्तान ने अपने एयरस्पेस को पूरी तरह बंद कर दिया था। बाद में पाकिस्तान ने 27 मार्च को भारत के लिए अपने एयरस्पेस को आंशिक तौर पर खोल दिया। तब नई दिल्ली, बैंकॉक और कुआलालंपुर के लिए उड़ानों को छोड़कर पाकिस्तान ने सभी फ्लाइटों के लिए अपना एयरस्पेस खोल दिया था। बाद में 16 जुलाई को पाकिस्तान ने सभी सिविलियन ट्रैफिक के लिए अपना एयरस्पेस खोल दिया।

5 अगस्त को जम्मू-कश्मीर को दिए गए अस्थायी विशेष दर्जे को खत्म करने के भारत के फैसले के विरोध में पाकिस्तान ने भारत के साथ सभी द्विपक्षीय व्यापार सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा ट्रेन और बस सर्विस को भी रोक दिया है। हालांकि, बाद में जीवन रक्षक दवाओं की किल्लत को देखते हुए पाकिस्तान ने भारत से उसके आयात की छूट दी है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अगले हफ्ते सोमवार को आइसलैंड, स्विट्जरलैंड और स्लोवेनिया की यात्रा पर रवाना होंगे। वह अपनी यात्रा के दौरान इन देशों के साथ आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करेंगे।